वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 26 | बुधवार 21 मई 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय का दशम दीक्षांत समारोह आयोजित

चिकित्सा शिक्षा में मौलिक शोध और अनुसन्धान पर रहे जोर

समाज को अच्छे और प्रतिभाशाली डॉक्टर मिलें, समय पर विद्यार्थी को डिग्री मिले: राज्यपाल

राज्यपाल ने कहा कि प्राचीन काल में विश्व में केवल छह यूनिवर्सिटी थी तब भी भारत में दो विश्वविद्यालय थे। यहां पर विश्वभर के छात्र छात्राएं पढ़ने आते थे...

जयपुर. कासं

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि विश्वविद्यालय में जिस वर्ष विद्यार्थी की शिक्षा पूरी हो, उसी साल दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को समय पर डिग्री मिले, इसके लिए सभी स्तरों पर प्रयास किए जाएं। उन्होंने चिकित्सकीय शिक्षा में इस बात पर विशेष ध्यान दिया जाए कि विद्यार्थी की बौद्धिक क्षमता बढ़े। समाज को अच्छे और प्रतिभाशाली डॉक्टर मिले। उन्होंने चिकित्सा शिक्षा में मौलिक शोध और अनुसन्धान पर विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि राजस्थान विश्वविद्यालय देश विदेश के दूसरे विश्वविद्यालयों से कॉलोबोरेशन कर इस क्षेत्र के नए ज्ञान के आदान प्रदान का संवाहक बने। राज्यपाल बागडे मंगलवार को बिड़ला सभागार में राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के दशम दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी की बौद्धिक क्षमता और ध्यानाकर्षण कितना है, इसके लिए क्या क्या पढ़ा और उसमें क्या ध्यान में रखा इस पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि बौद्धिक क्षमता की जांच के लिए कोई मशीन नहीं बनी पर नकल की बजाय अकल से जो ज्ञान में सफलता प्राप्त करे वहीं बौद्धिक रूप में सशक्त है। राज्यपाल ने कहा कि प्राचीन काल में विश्व में केवल छह यूनिवर्सिटी थी तब भी भारत में दो विश्वविद्यालय थे। यहां पर विश्वभर के छात्र छात्राएं पढ़ने आते थे। उन्होंने नालन्दा विश्वविद्यालय और वहां के आयुर्वेद के ज्ञान की चर्चा करते हुए कहा कि बख्तियार खिलजी को नालंदा के वैद्य ने ठीक किया पर उसने वहां के पुस्तकालय को जला दिया। उन्होंने भारत द्वारा संसार को जीरो के ज्ञान को दिए जाने की चर्चा करते हुए कहा कि इसी से आगे की संख्या से विश्व जुड़ सका। उन्होंने भास्कराचार्य द्वारा गुरुत्वाकर्षण ज्ञान और आर्यभट्ट के संख्या ज्ञान के आलोक में भारत की प्राचीन शिक्षा से आधुनिक ज्ञान को दिशा दिए जाने का आह्वान किया। बागडे ने देश की पहली महिला चिकित्सक के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 1886 में परीक्षा पास कर देश की पहली महिला डॉक्टर आनंदी गोपाल जोशी ने इस क्षेत्र में महिलाओं को प्रेरणा दी। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय देश, विदेश के दूसरे विश्वविद्यालय से कॉलोब्रेशन करके शोध और अनुसन्धान में महती कार्य करे। उन्होंने कहा कि इससे चिकित्सकीय ज्ञान का प्रभावी रूप में आदान प्रदान हो सकेगा। उन्होंने कहा कि ऐसा ज्ञान ही विद्यार्थी के अधिक ध्यान में रहता है। इससे एकरसता से भी विद्यार्थी मुक्त होता है। उन्होंने चिकित्सको को संयम रख रोग निदान को अपना सर्वोपरि ध्येय रखने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा कि भारतीय परिप्रेक्ष्य में चिकित्सा और औषधि शास्त्र एक दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने कम से कम दवा से रोग निदान की मानसिकता के लिए कार्य करने पर जोर दिया। राज्यपाल ने इस अवसर पर ''नेशनल अकादमिक डिपोजिटरी पोर्टल'' का बटन दबाकर डिजिटल शुभारंभ किया। इसमें राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा योग्य अभ्यर्थियों के शैक्षणिक रिकॉर्ड को डिजिटलाइज्ड किया जाएगा। इससे पहले उन्होंने डॉ. विश्व मोहन कटोच को बायोमेडिकल रिसर्च में अप्रतिम योगदान के लिए 'डॉक्टर ऑफ साइंस- मेडिसिन' की मानद उपाधि प्रदान की। उन्होंने मेडिसिन, दंत, फामेर्सी, नर्सिंग, फिजियोथैरेपी एवं ऑक्यूपेशनल, पैरामेडिकल संकाय के विद्यार्थियों को पदक एवं उपाधियां प्रदान की। पीएसआरआई हार्ट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली के अध्यक्ष एवं पूर्व आचार्य और विभागाध्यक्ष, कार्डियोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली डा. के.के. तलवार ने दीक्षांत व्याख्यान प्रदान किया। कुलगुरु प्रो. (डॉ.) प्रमोद येवले ने विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

श्री 1008 चंद्र प्रभु दिगम्बर जैन पल्लीवाल मंदिर (शक्ति नगर संभाग) में धार्मिक शिक्षण शिविर प्रारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति के तत्वाधान मे आयोजित श्रमण संस्कृति धार्मिक शिक्षण शिविर में श्री 1008 चंद्र प्रभु दिगम्बर जैन पल्लीवाल मंदिर (शक्ति नगर संभाग) में बच्चे बड़े उत्साह से भाग ले रहे है। आज दिनांक 20 मई 2025 को शिविर का निरीक्षण करने श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के मंत्री सुरेश कासलीवाल व जयपुर प्रभारी विनय जैन, राजस्थान अंचल अध्यक्ष श्रीमति शालिनी बाकलीवाल,राजस्थान अंचल की कोषाध्यक्ष श्रीमती विद्युत लुहाडिया व सांगानेर संभाग की अध्यक्ष श्रीमती अंजना जैन पधारे। समाज के प्रबुद्धजनों द्वारा उनका माला और दुपट्टा पहना कर अभिवादन किया। सभी पधारे आदरणीयजन बच्चों की प्रतिभा को देख कर बड़े प्रभावित हुए। बच्चों को आज मोबाइल के त्याग का संकल्प दिलवाया गया। शिविर के सभी बच्चों ने खुशी खुशी संकल्प धारण किया। सभी बच्चों को गिफ्ट व अल्पाहार विमल भौंच और सुरेश जैन आगरा वालों द्वारा भेंट किए गए।

परेड चौराहा स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में संस्कार पाठशाला का आयोजन

बच्चों को दी जा रही हैं धार्मिक शिक्षा

अजय जैन. शाबाश इंडिया

अम्बाह। परेड चौराहा स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में मंगलवार को विशेष संस्कार पाठशाला का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर बच्चों को जैन धर्म की मूल शिक्षाओं, सिद्धांतों और नैतिक मूल्यों से अवगत कराया गया। पाठशाला का उद्देश्य बच्चों में धार्मिक चेतना का विकास करना और उन्हें जीवन में अच्छे संस्कार देना था। पाठशाला में मुख्य रूप से कुमारी राजुल जैन ने बच्चों को जैन धर्म के 'बारह अनुयोग' के विषय में सरल और रोचक ढंग से जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को यह समझाया कि जैन धर्म केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा मार्ग है जो आत्मा की शुद्धि, अहिंसा, सत्य और संयम पर आधारित है। बच्चों ने भी बड़ी जिज्ञासा के साथ सवाल पूछे और धर्म से जुड़ी अनेक बातें जानने की रुचि दिखाई। कार्यक्रम के दौरान प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों से धर्म से जुड़े प्रश्न पूछे गए और सही उत्तर देने वालों को पुरस्कार स्वरूप इनाम वितरित किए गए। राजुल जैन, राखी जैन ने बताया कि संस्कार पाठशाला का उद्देश्य बच्चों को मोबाइल, टीवी और सोशल मीडिया की दुनिया से थोड़ी देर के लिए अलग कर आत्मिक और नैतिक शिक्षा की ओर मोड़ना है उन्होंने कहा कि अगर बचपन में ही धर्म और संस्कृति की नींव मजबूत कर दी जाए, तो वे भविष्य में अच्छे नागरिक और चरित्रवान व्यक्ति बन सकते हैं। राजुल जैन ने बताया कि यह पाठशाला एक माह नियमित रूप से आयोजित की जाती रहेंगी ताकि अधिक से अधिक बच्चों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने अभिभावकों से भी आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को ऐसे कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रेरित करें, जिससे उनका सर्वांगीण विकास हो सके।

दिगम्बर जैन समाज जोबनेर ने आर्यिका संघ के किये दर्शन

आयुष पाटनी. शाबाश इंडिया

जोबनेर। प.पू. आर्यिका 105 श्री आदिमती माताजी की संघस्था प.पू. आर्षमार्ग रक्षिका आर्यिका 105 श्री श्रुतमती माताजी प.पू. आर्यिका 105 श्री सुबोधमती माताजी ससंघ का किशनगढ़ से दूदू की ओर विहार गतिमान है। दिगम्बर जैन समाज,जोबनेर संघ ने पाटन में दर्शन सेवा लाभ लिया। इस अवसर पर श्री शांतिवीर जैन गुरुकुल समिति के मिक्की बड़जात्या, अमित छाबड़ा, माणक सेठी, विनोद जैन मीठा जी , प्रवीण ठोलियाँ ने माताजी को गुरुकुल जोबनेर में अल्पकालिक प्रवास के लिय श्रीफल भेंट किया।श्री शान्तिवीर जैन गुरुकुल संस्था के सरंक्षक संजय पापड़ीवाल किशनगढ़ के फार्म हाउस पर आयोजित णमोकार मंत्र विधान में सभी ने हिस्सा लिया एवं इस अवसर पर माताजी ने सभी को प्रेरणा प्रदान करते हुए धर्म के प्रति समर्पित रहते हुए कार्य करने को प्रेरित किया।

जैन सोशयल ग्रुप नॉर्थ का भक्तामर अनुष्ठान आज

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्थ के तत्वावधान मे 21 मई को स्वर्गीय श्री प्रकाश चंद जी जैन मोजाबाद की पुण्य स्मृति में संजय संगीता जैन पूर्व अध्यक्ष के सहयोग से श्री मुनि सुब्रत नाथ दिगंबर जैन मंदिर मांगियावास में संगीतकार व गायक साक्षी जैन द्वारा रात्रि 7.30 बजे भक्तांमर अनुष्ठान आयोजन किया जाएगा।

ग्रीष्मकालीन श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर 25 मई से

दस दिवसीय शिविर में संस्कारों का होगा बीजारोपण

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना । आधुनिकता की अंधी दौड़ में आज नैतिकता, आदर्श एवं परम्परा लुप्त होती जा रही है । ऐसी विषम परिस्थितियों में आगम परम्परा एवं लुप्त होते संस्कारों की पुर्नस्थापना की पवित्र भावना के साथ आचार्यश्री विद्यासागर, आचार्यश्री समयसागर, आचार्यश्री आर्जवसागर, मुनिश्री विलोकसागर, मुनिश्री विबोधसागर महाराज के आशीर्वाद एवं निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव सुधासागर महाराज की पावन प्रेरणा से श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर जयपुर द्वारा भारत एवं देश विदेश में जैन परंपरानुसार श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिवरों का आयोजन ग्रीष्मकालीन अवकाश में किया जा रहा है । धर्म नगरी मुरैना में उक्त शिविरों का आयोजन नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन पंचायती बड़ा मंदिर एवं श्री गोपाल दिगंबर जैन संस्कृत विद्यालय में 25 मई से 03 जून तक होगा ।

चैंबर ऑफ कॉमर्स उदयपुर डिवीजन का क्रिकेट महाकुंभ, 24 से

शहर की 52 टीमें रोजाना शाम 5 से रात 1 बजे तक 8 - 8 ओवर के मुकाबले खेलेंगी

उदयपुर. शाबाश इंडिया

चैंबर ऑफ कॉमर्स उदयपुर डिविजन द्वारा पहली बार शहर में रात्रि कालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 24 से 31 मई तक फील्ड क्लब मैदान पर होगा। इसमें उदयपुर के विभिन्न व्यापारिक संगठन की 52 टीमें भाग लेगी, जो चैंबर ऑफ कॉमर्स के सदस्य हैं। प्रतियोगिता का समय सांय 5:00 से रात्रि 1:00 बजे तक रहेगा। प्रत्येक टीम में 11 खिलाड़ी होंगे और इसमें खास बात यह है की उम्र सीमा तय की गई है कि प्रत्येक टीम में अधिकतम 5 खिलाड़ी 30 वर्ष से कम आयु के होंगे सभी मैच हार्ड टेनिस बॉल से खेले जाएंगे। प्रत्येक टीम के लिए 8 ओवर निर्धारित किए गए और प्रत्येक बॉलर अधिकतम 3 ओवर ही फेंक सकेंगे।हर मैच में बेस्ट बैट्समैन, बेस्ट बॉलर, मैन ऑफ द मैच और मैन ऑफ द सीरीज जैसे पुरस्कार दिए जाएंगे। मैचों के लिए निर्धारित समय की पालना अनिवार्य करनी होगी।देरी होने पर वाक आउट नियम लागू होगा। मैदान में फ्लड लाइट्स की व्यवस्था अहमदाबाद से विशेषज्ञ टीम द्वारा की जाएगी। मैच में विजेता टीम को प्रथम पुरस्कार के रूप में 71000, उपविजेता टीम को 51000 एवं तृतीय स्थान पर रहने वाले टीम को 31000 रुपए का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इस ऐतिहासिक आयोजन का शुभारंभ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर अजय जडेजा चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी और लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ द्वारा किया जाएगा। इस दौरान राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा भाजपा जिलाध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़, कांग्रेस जिला अध्यक्ष फतेह सिंह राठौड़ भी उपस्थित रहेंगे। आयोजन को लेकर मंगलवार को प्रेस कांफ्रेंस में चेंबर अध्यक्ष पारस सिंघवी ने बताया कि उदयपुर में पहली बार चेंबर में रजिस्टर विभिन्न व्यापारिक संगठनों के सामूहिक क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु सर्वसम्मति से संजय भंडारी को संयोजक, कैलाश सोनी एवं अशोक काबरा को सहसंयोजक नियुक्त किया गया है। प्रतियोगिता को सफल एवं निर्विवाद बनाने के लिए सामूहिक रूप से नियम एवं शर्तें तय की गई है नियमों के विपरीत किसी भी प्रकार से कोई भी निर्णय नहीं दिया जाएगा एवं सभी संगठनों को नियमों की पालना करनी होगी। इसके लिए गठित कार्य कमेटी में पारस सिंघवी, राजमल जैन, हिम्मत बडाला, संजय भंडारी, अशोक काबरा, कैलाश सोनी, देवनारायण धाबाई, राकेश जैन, हरीश चावला, अजय पोरवाल, भंवरलाल सुहालका, बृजलाल सोनी, हिमांशु गुप्ता, जगदीश मेनारिया, नितिन सेठ, मनोज जैन,जयेश चंपावत को सम्मिलित किया गया है।

रिपोर्ट/फोटो : योवन्त राज माहेश्वरी

वेद ज्ञान

संसार क्षणभंगुर है

यह संसार क्षणभंगुर है। संपूर्ण सृष्टि परिवर्तन और विनाश के मूलाधार पर टिकी है। इस तथ्य पर यकीन करने के लिए हमें किसी मत-मतांतर या साक्ष्यों की कोई आवश्यकता नहीं है। इसका कारण यह कि हम नित्य जन्म-मृत्यु के साथ-साथ बच्चे को युवा और युवावस्था को वृद्धावस्था में परिवर्तित होते देखते हैं। फिर भी हम संसार की क्षणभंगुरता का अहसास किए बगैर जन्म पर खुशी, वृद्धावस्था पर क्षुब्धता व मृत्यु पर शोक मनाए चले जाते हैं। हमें इस कटु यथार्थ का बोध भी नहीं होता कि प्रकृति द्वारा युग-युगांतरों से खेला जा रहा परिवर्तन व विनाश का खेल लगातार चलता रहता है। राम हों या कृष्ण, जीसस हों या बुद्ध व महावीर, सबको एक अवधि के बाद शरीर छोड़ना पड़ा। इस संदर्भ में प्रश्न यह उठता है कि इस नश्वर संसार का सृजनकर्ता कौन है, जो इस सृष्टि के विराट आयोजन को संचालित कर रहा है? फिलहाल आदि काल से लगातार फैल रहे इस अनंत ब्रह्मांड और संपूर्ण सृष्टि को संचालित करने वाला कोई नश्वर तत्व तो हो नहीं सकता। हां, नश्वर में निहित ज्ञान स्वरूप परब्रह्म ही माला के मनकों को संभालने वाले धागे की तरह सक्रिय हो सकता है। इस पूरी सृष्टि में सृष्टा ही समाया हुआ है। समस्त जड़-चेतन में उसी का वास है। जिस प्रकार गतिमान पहिया अपरिवर्तनशील कील पर ठहरा हुआ होता है, उसी प्रकार सारे परिवर्तन मृण्मय (सृष्टि के समस्त जड़ चेतन) रूपी परिधि पर होते हैं, जबकि भीतर मौजूद चिन्मय (ज्ञान स्वरूप परब्रह्म) सदा स्थिर रहता है। जिस प्रकार हम ईंट-पत्थरों से मकान (दीवारें) बनवाते हैं, किंतु हम दीवारों में नहीं रहते, बल्कि भीतर स्थित शून्य (रिक्त स्थान) में रहते हैं। यही नहीं, हमारा प्रवेश भी शून्य रूपी दरवाजे से होता है। इसी प्रकार हमारी हृदय गुफा में मौजूद अंतराकाश में आत्मा सतत विराजमान है। चूंकि हमने उसे कभी क्षणभर के लिए भी नहीं खोया है, इसलिए उसकी प्रतीति नहीं होती है। जैसे अपना बिंब देखने के लिए आईने से फासले की जरूरत होती है। परमात्मा को हमें अन्यत्र खोजना है, यह धारणा ही भ्रांत है। परमात्मा हम सब के भीतर मौजूद है और हमें केवल बाहर जाती चेतना की दिशा परिवर्तित करके उसका रुख भीतर की ओर करना होगा, तभी हमें परमात्म तत्व की प्राप्ति हो सकेगी।

संपादकीय

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गए हजारों गरीब परिवार

यह स्थापित तथ्य है कि अधिकतर सरकारी योजनाएं अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पातीं। भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती हैं। महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा की स्थिति भी इससे अलग नहीं है। इस योजना की शुरूआत इस मकसद से की गई थी कि गरीब परिवारों को साल में कम से कम सौ दिन रोजगार मिल सकेगा और उन्हें अपने भरण-पोषण के लिए किसी दूसरी योजना का मुखापेक्षी नहीं रहना पड़ेगा। मगर शुरूआती वर्षों में ही इसमें भ्रष्टाचार उजागर होने लगे थे। फर्जी नाम दर्ज कर काम देने की बड़ी चालबाजियां सामने आई थीं। उसे रोकने के कई उपाय किए गए, पर इस पर पूरी तरह विराम नहीं लग सका। इस योजना को बंद करने या इसका स्वरूप बदलने का फैसला इसलिए नहीं किया जा सका कि संविधान में इसकी गारंटी दी गई है। सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार का ताना-बाना संबंधित महकमों में ही बुना जाता है। इसका ताजा उदाहरण गुजरात में मनरेगा के तहत फर्जी तरीके से कार्य निष्पादन के दस्तावेज तैयार कर करोड़ों की रकम भुना लेने का है। पुलिस ने इस मामले में अब तक ग्यारह लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्हें सड़क, बांध, पुलिया आदि निर्माण के लिए सामग्री मुहैया कराने का ठेका दिया गया था। इस घोटाले ने इसलिए तूल पकड़ा और राजनीतिक रंग ले लिया है कि इसमें वहां के पंचायत और कृषि राज्यमंत्री के दो बेटों को भी गिरफ्तार

किया गया है। उनकी एजंसियां भी मनरेगा परियोजनाओं में शामिल थीं। उन्होंने कार्यों का निष्पादन किए बगैर फर्जी दस्तावेज जमा कर भुगतान प्राप्त कर लिया। मनरेगा की जिन परियोजनाओं में उन्होंने घोटाला किया, वे वहां के आदिवासी इलाकों में चलाई जा रही थीं। इसके अलावा, फिलहाल जांच में पैंतीस ऐसी एजंसियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है, जिन्होंने 2021 से 2024 के बीच सरकारी अधिकारियों से मिलीभगत करके जाली दस्तावेजों के आधार पर इकहत्तर करोड़ रुपए का भुगतान प्राप्त कर लिया। अभी तक जिला ग्रामीण विकास एजंसी यानी डीआरडीए की जांच में सामने आए एक जिले के तथ्यों के आधार पर ये गिरफ्तारियां हुई हैं। इसलिए कयास लगाए जा रहे हैं कि पूरे राज्य में इस योजना के तहत कितने बड़े पैमाने पर घोटाला हुआ होगा। उन आदिवासी इलाकों में बुनियादी सुविधाओं की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है, जिनके लिए ये परियोजनाएं चलाई तो गई थीं, पर वे केवल कागजों में दर्ज होकर रह गईं। आमतौर पर गरीबों के लिए चलाई जाने वाली योजनाएं और कार्यक्रम जमीन पर कम ही उतर पाते हैं। दिखाने के लिए जो कुछ काम होते भी हैं, उनकी गुणवत्ता सदा संदिग्ध रहती है। उनमें इस्तेमाल सामग्री और कामकाज की गुणवत्ता इस कदर खराब होती है कि सड़कें, पुल-पुलिया वगैरह पहली ही बारिश में धुल कर साफ हो जाते हैं। ग्रामीण विकास के नाम पर अनेक योजनाएं चलाई जाती हैं, केंद्र और राज्य दोनों सरकारों की तरफ से, मगर वास्तव में उनसे गांवों का चेहरा कितना बदला है, कहना मुश्किल है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

क्षमा अस्वीकार

राजनेताओं में यह प्रवृत्ति पिछले कुछ समय से काफी तेजी से पनपी है कि वे सार्वजनिक मंचों से अशोभन, अमर्यादित और भड़काऊ बयान देना अपनी शान समझते हैं। अगर उन पर आपत्ति दर्ज कराई जाती है, तो अक्सर वे उस पर टालमटोल का रुख अख्तियार करते हैं ज्यादा दबाव बनता है, तो यह कहते हुए वे क्षमा मांग लेते हैं कि अगर उनके बयान से किसी को ठेस पहुंची है, तो वे अपनी बात वापस लेते हैं। मगर सर्वोच्च न्यायालय की सख्ती के बाद शायद राजनेताओं को कुछ सबक मिले। मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में जैसी भद्दी टिप्पणी की, उसे लेकर स्वाभाविक ही लोगों में रोष पैदा हुआ। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने उस पर स्वतः संज्ञान लेते हुए मंत्री के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया। पुलिस ने उस पर भी टालमटोल का रवैया अख्तियार किया, जैसा कि रसूखदार लोगों के मामले में वह अक्सर करती है तब उच्च न्यायालय ने दुबारा सख्त प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया। फिर, मंत्री महोदय ने सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष क्षमा याचना की। मगर सर्वोच्च न्यायालय ने उन्हें कड़ी फटकार लगाते हुए स्पष्ट कर दिया कि आपका कृत्य क्षमा योग्य नहीं है। इस मामले की जांच के लिए बाहरी राज्य के तीन वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का एक विशेष कार्यबल गठित करने का आदेश दिया, जिसमें एक महिला अधिकारी भी होगी। न्यायालय इस जांच पर नजदीक से नजर रखेगा। सर्वोच्च न्यायालय के इस रुख से जाहिर है कि मंत्री के खिलाफ कड़ा फैसला आ सकता है। किसी निष्ठावान सैन्य अधिकारी का संबंध आतंकवादियों से जोड़ना न केवल उसका अपमान करना, बल्कि पूरी सेना का मनोबल गिराने का प्रयास कहा जा सकता है। इस पर स्वाभाविक ही पूरे देश में रोष जाहिर हुआ, मगर विचित्र है कि विजय शाह के बयान के बचाव में भी कुछ लोग उतर आए। पार्टी का शीर्ष नेतृत्व इस पर अभी तक खामोश है। इससे विपक्षी दलों को बैठे बिठाए निशाना साधने का मौका मिल गया है अब तो राजग के कुछ सहयोगी भी इस मामले की कड़ी निंदा करने लगे हैं। कुछ मामले व्यक्तिगत नहीं होते, कि जिन पर पार्टी चुप्पी साध सके। अनेक मामलों में देखा जाता रहा है कि जब भी कोई बड़ा नेता इस तरह अपने किसी बयान के कारण विवादों में घिरता है, तो पार्टी उससे अपने को अलग कर लेती है। मगर विजय शाह के मामले में ऐसा नहीं किया जा सकता। वे एक राज्य सरकार में जिम्मेदार मंत्री पद का निर्वाह कर रहे हैं। अगर विजय शाह के खिलाफ अदालत कोई कड़ा कदम उठाती है, तो इससे पार्टी की किरकिरी और बढ़ेगी ही इस तरह के बयान देने वाले नेताओं को संरक्षण देकर आखिरकार पार्टियों की साख पर ही धब्बा लगता है। अपने नेताओं को अनुशासन का पाठ पढ़ाना पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का दायित्व होता है। फिर, सवाल मध्यप्रदेश सरकार पर भी उठे ही हैं कि आखिर मुख्यमंत्री किन दबावों में एक विवादित नेता को मंत्री पद पर बरकरार रखे हुए हैं। किसी भी राजनीतिक दल के लिए यह अच्छी बात नहीं मानी जाती कि उसके किसी नेता को अनुशासित करने के लिए अदालत को कदम उठाने पड़ें इतना कुछ हो जाने के बाद विजय शाह को खुद भी शायद इस बात का अहसास नहीं हो पाया है कि उन्होंने गैरजिम्मेदाराना बयान देकर अपने और पार्टी के लिए मुसीबत खड़ी कर दी है।

संस्कृत भारती ने किया राज्य स्तरीय संस्कृत प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ

पूरे प्रदेश से आए शिक्षक सीखेंगे संस्कृत पठन-पाठन के गुर

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

विजयनगर। संस्कृत भारती राजस्थान क्षेत्र द्वारा राज्य स्तरीय क्षेत्रीय प्रशिक्षण शिविर विजयनगर में लगाया जा रहा है जिसके उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर के प्रमुख व्यवसायी व समाजसेवी बालमुकुंद कोगटा ने कहा कि इस प्रकार के शिविरों के आयोजन से समाज में एक नई जागृति आती है तथा बच्चों में अच्छे संस्कार आते हैं। पहले हमारे देश में संस्कृत भाषा का ही प्रयोग होता था। ऐसी भीषण गर्मी में यह शिविर एक तपस्या की भांति है जिसमें तपकर ये शिक्षक कुंदन की भांति अपनी चमक से समाज को प्रकाशित करेंगे। विशिष्ट अतिथि प्राज्ञ संस्थान के निदेशक नवल सिंह ने कहा कि संस्कृत भारती पूरे देश में इस प्रकार के आयोजन करके संस्कृत को नई जान दे रही है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं दिल्ली संवादशाला में जाकर 15 दिन का संभाषण शिविर करके आए हैं। संस्कृतभारती के कार्यकर्ता निस्वार्थ भाव से लगकर संस्कृत भाषा को जीवंत करके आम लोगों में जनभाषा कैसे बने इसके लिए पूर्ण रूप से समर्पित है। प्रांत प्रचार प्रमुख तरुण मित्तल ने बताया कि मुख्य वक्ता संस्कृतभारती उत्तरपश्चिम क्षेत्र राजस्थान के संयोजक डॉक्टर तगसिंह राजपुरोहित थे। राजपुरोहित ने अपने संबोधन में कहा कि यह एक शिक्षक प्रशिक्षण शिविर है जो आवासीय शिविर है इसमें भाग लेने से पहले शिविरार्थी को संभाषणशिविर इसके पश्चात भाषाबोधन शिविर तथा प्रबोधनशिविर में भाग लेना पड़ता है, इसके पश्चात ही वह कार्यकर्ता शिक्षक के रूप में इस प्रकार के शिविर में भाग लेने के योग्य बन पाता है। अतः यह निरंतर और कठिन साधना का ही परिणाम है कि उपस्थित शिविरार्थी संस्कृत भारती के प्रचारक के रूप में तन मन धन से समर्पित भाव के साथ यहां उपस्थित हुए हैं और संस्कृत से भारत को परम वैभव के पद पर प्रतिस्थापित करने में अपना योगदान दे रहे हैं। यह वर्गार्थी यहां से दक्ष प्रशिक्षक के रूप में प्रशिक्षित होकर समाज में जाकर 10 दिवसीय संभाषण शिविरों का आयोजन करेंगे और आम बोलचाल की भाषा के रूप में संस्कृत को स्थापित करेंगे। उद्घाटन कार्यक्रम में प्रांत मंत्री डॉ परमानंद शर्मा ने बताया कि यह 13 दिन तक चलने वाला शिविर 31 मई तक चलेगा तथा इसमें प्रातः जागरण से लेकर रात्रि 10:00 बजे तक विभिन्न गतिविधियों खेल, गीत, मंत्र के द्वारा संस्कृत का अध्ययन अध्यापन करवाया जाता है। शिविर में उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता संस्कृत भारती चित्तौड़ प्रांत के अध्यक्ष के. के. गौड़ ने की। कार्यक्रम में संस्कृत भारती के राजस्थान क्षेत्र के संगठनमंत्री कमलशर्मा, चित्तौड़ प्रांत प्रन्यास के अध्यक्ष महेशचंद्र शर्मा, प्रांतसहमंत्री डॉ. मधुसूदन शर्मा समेत सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रांत श्लोक पाठन केंद्र प्रमुख डॉ. मानाराम चौधरी ने किया।

संगिनी फोरम जेएसजी कैपिटल का भव्य शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

तिरंगा और जैन ध्वज फहराकर किया ऑपरेशन सिंदूर का समर्थन

जयपुर. शाबाश इंडिया

संगिनी फोरम कैपिटल का शपथ ग्रहण समारोह टोंक रोड स्थित होटल कियाना मे किया गया। संस्थापक अध्यक्ष विनीता जैन ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारम्भ नन्ही बालिका नायरा के मनमोहक नृत्य से हुआ। इसके पश्चात संगिनी कार्यकारिणी सदस्यों ने मंगलाचरण तथा नृत्य के साथ अतिथियों का स्वागत किया। मंच आमंत्रण के पश्चात सभी अतिथियों का दुपट्टा पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। निवर्तमान सचिव अलका जैन ने विगत दो वर्ष के कार्यक्रमों की संक्षिप्त रिपोर्ट सदन में प्रस्तुत की। निवर्तमान अध्यक्ष शकुंतला जैन ने उद्बोधन में अपने कार्यकाल में सहयोग के लिए संगिनी कार्यकारिणी के साथ सभी संगिनी सदस्यों का आभार व्यक्त किया । संस्थापक अध्यक्ष विनीता जैन ने अपने उद्बोधन में संगिनी कैपिटल की स्थापना से विगत 11 वर्षों की संपूर्ण यात्रा की जानकारी सदन को दी ।शपथ ग्रहण समारोह में जैन सोश्यल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन मुंबई के उपाध्यक्ष महेंद्र - मीनू गिरधरवाल ,नॉर्दर्न रीजन चेयरमैन राजीव पाटनी,उपाध्यक्ष सुधीर - मंजू गंगवाल,सचिव रविंद्र - रचना बिलाला ने नव निर्वाचित अध्यक्ष अलका- सुधीर गोधा जैन ,उपाध्यक्ष मंजू- सुधीर गंगवाल,सचिव सुनीता - सुबोध

पाटोदी, संयुक्त सचिव सुनीता- वीरेंद्र काला,कोषाध्यक्ष चन्दना - सुरेश ठोलिया एवं कार्यकारिणी सदस्या नलिनी जैन,मंजू बज ,सपना गोदिका, पिंकी जैन,शोभना लौंगिया , मीना अजमेरा को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में कैपिटल ग्रुप के अध्यक्ष राजकुमार काला, सचिव प्रमोद जैन और संगिनी फोरम कार्यकारिणी सदस्यों के जीवन साथियों ने भी उपस्थित होकर नव निर्वाचित टीम को बधाई व शुभकामनाएं दी।सत्र 2025 -27 की अध्यक्षा अलका जैन ने अपनी टीम के साथ एक जोश व उमंग से भरे गीत पर तिरंगा और जैन ध्वज फहराते हुए मंच पर प्रस्तुति दी। उन्होंने अपने उद्बोधन में भारत के वीर जवानों और प्रधानमंत्री मोदी जी को देश की बहन, बेटियों के सिंदूर को हटाने वालो का उनके देश में जाकर संहार करने के लिए सैल्यूट किया ।समारोह में महेंद्र गिरधरवाल एवं राजीव पाटनी ने अपने उद्बोधन में संगिनी कैपिटल के द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना

की। कार्यक्रम में संगिनी सदस्या हीरल जैन व टीम ने सुंदर प्रस्तुति दी। समारोह का मंच संचालन संगिनी पूर्व अध्यक्षा समता गोदिका एवं मीना चौधरी ने किया। सचिव सुनीता पाटोदी द्वारा सभी अतिथियों व संगिनी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री ने वृक्षारोपण का दिया संदेश

पौत्री के जन्मोत्सव पर 21 पेड़ लगाने का लिया संकल्प

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन समिति राष्ट्रीय महामंत्री सुरेन्द्र कुमार जैन मृदुला पांड्या के पोत्री के जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर प्रथम मंदिर दर्शन कार्यक्रम में 21 पेड़ लगाने का संकल्प लिया और सभी को संदेश दिया कि शुभ अवसर पर वृक्षारोपण करे ताकि गर्मी का लगातार प्रकोप कम किया जा सके।

श्री दिगंबर जैन मंदिर दुर्गापुर में श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के सहयोग से ग्रीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला अंचल त्रिशला संश्री दिगंबर जैन मंदिर दुर्गापुर में श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के सहयोग से ग्रीष्मकालीन धार्मिक शिक्षणभाग के सानिध्य में श्री दिगंबर जैन मंदिर दुर्गापुर में श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के सहयोग से ग्रीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण शिविर चल रहा है। शिविर में बच्चों के द्वारा देव शास्त्र गुरु की पूजा की गई, जिसके अंतर्गत करीब 80 बच्चों ने पूजा में भाग लिया। बालिका श्रमण संस्कृति संस्थान की विदुषियां अरुणिमा आस्था अंशी यह सभी अध्यापन करा रही है। त्रिशला संभाग अध्यक्ष श्रीमती चंदा सेठी एवं मंत्री रेनू पांड्या ने बताया कि आज का पुरस्कार मिलन ग्रुप के द्वारा दिया गया। शिक्षण शिविर में पहला भाग दूसरा भाग छहैढाला और तत्वार्थ सूत्र का अध्ययन कराया जा रहा है। करीबन 105 शिविरार्थी इसमें भाग ले रहे हैं।

मुनि अनुपम सागर मुनि निर्मोह सागर (ससंघ) का चातुर्मास 2025 भीलवाड़ा में होगा

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। मुनि अनुपम सागर मुनि निर्मोह सागर का चातुर्मास 2025 का भीलवाड़ा में आयोजित होगा। पट्टाचार्य आचार्य विशुद्ध सागर के परम शिष्य मुनि अनुपम सागर मुनि निर्मोह सागर (ससंघ) का चातुर्मास 2025 का भीलवाड़ा के हाऊसिंग बोर्ड सुपार्श्वनाथ मंदिर में होगा। इस हेतु आचार्य विशुद्ध सागर को श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के अध्यक्ष व समाज सेवी राकेश पाटनी के नेतृत्व व भीलवाड़ा दिगम्बर जैन समाज द्वारा उज्जैन में श्रीफल चढ़ाया गया। मिडिया प्रभारी ने बताया कि भीलवाड़ा नगर की भक्ति को मध्य नजर रखते हुए उक्त संतो का चातुर्मास भीलवाड़ा के हाऊसिंग बोर्ड में होने की आशीर्वाद एवं स्वीकृति उज्जैन में प्रदान की। इस चातुर्मास से भीलवाड़ा दिगम्बर जैन में हर्ष की लहर है। श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के अध्यक्ष व समाज सेवी राकेश पाटनी ने बताया की उक्त मुनि राजो का 24 मई 2025 शनिवार को उज्जैन से मंगल विहार भीलवाड़ा की ओर होगा। जिसमें नागदा, जावरा, मंदसौर, नीमच, निम्बाहेड़ा, चित्तौडगढ़ होते हुए चातुर्मास हेतु भीलवाड़ा में मंगल प्रवेश होगा।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

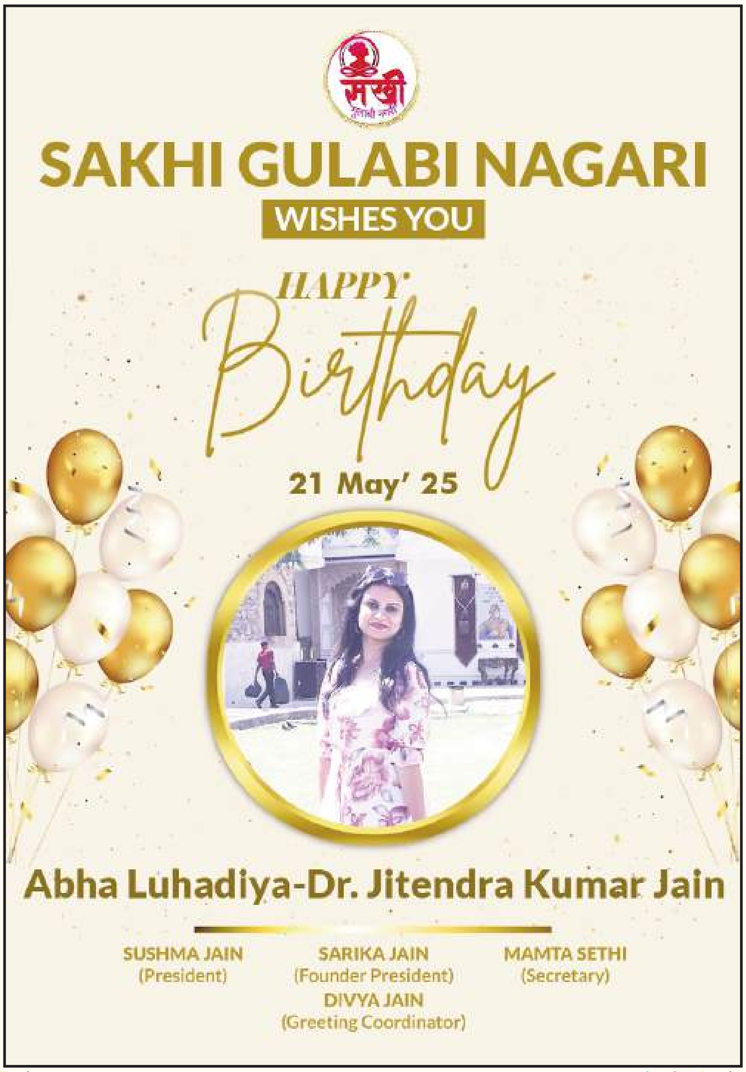

प्यासे पक्षियों को पानी पिलाएं, आओ इस आदत को संस्कार बनाएं

जयपुर. शाबाश इंडिया

20 मई 2025 को कनोडिया गर्ल्स कॉलेज परिसर जयपुर में ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन, कानोडिया कॉलेज एवं जे एस जी महानगर के संयुक्त तत्वाधान मे परिंडा महोत्सव का आयोजन कर पक्षियों हेतु दाना- पानी की व्यवस्था की। ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रमोद जैन भँवर ने बताया की कार्यक्रम में मुख्य अतिथि निम्स यूनिवर्सिटी की डायरेक्टर डॉ शोभा तोमर व विशिष्ट अतिथि प्रो कुसुम जैन राजस्थान यूनिवर्सिटी की फॉर्मर डीन व पूर्व प्रिंसिपल महारानी कॉलेज रही अपने उद्बोधन में उन्होंने फाउंडेशन की सराहना करते हुए परिंडों के महत्व के बारे में कविता के माध्यम से सबको अवगत कराया। कॉलेज प्राचार्या डॉ सीमा अग्रवाल, उपप्रचार्या डॉ रंजुला जैन कनोडिया कमेटी मेम्बर चारू गुप्ता सहित समाजसेविका मनीषा जैन, डॉ राज टॉक , ऋषि जैन, प्रियांशी जैन, रेणु ठोलिया , डॉ राजीव जैन, अरविंद जैन सुशील कासलीवाल चंद्र शेखर जैन पंकज जैन उपस्थित रहे । अंत में सभी ने नियमित रूप से परिन्डो में दाना - पानी रखने व साफ सफाई की देखभाल का संकल्प लिया।

विश्व उच्च रक्तचाप दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद ।नागरिक अस्पताल सिरसा में विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के अवसर पर एएनएम ट्रेनिंग स्कूल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एमसीडी की टीम द्वारा कुल 170 नागरिकों की बीपी और शुगर की जांच की गई। कार्यक्रम में एएनएम ट्रेनिंग स्कूल की छात्राओं ने हिस्सा लेते हुए रक्तचाप विषय पर हाथों पर मेहंदी रचाई और उच्च रक्तचाप के प्रति जागरूक किया। सिविल सर्जन डॉक्टर महेंद्र कुमार भादू के निर्देशानुसार आयोजित कार्यक्रम में उप सिविल सर्जन डॉ. विपुल गुप्ता भी मौजूद रहे। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान डीपीसी डॉ. प्रियंका, किशोरावस्था काउंसलर कमल कक्कड़, स्टाफ नर्स गीता, कविता एवं बिंदर ने मरीजों को स्वस्थ जीवनशैली, खान-पान और नियमित स्वास्थ्य जांच का महत्व बताया। किशोरावस्था काउंसलर कमल कक्कड़ ने छात्राओं को आयरन की कमी और कमजोरी से बचाव के लिए मौसमी हरी सब्जियों, फलों और संतुलित आहार को अपनाने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक व्यक्ति को हर महीने अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर नियमित स्वास्थ्य जांच अवश्य करवानी चाहिए। इस अवसर पर हेल्पर नीलम और अन्य स्टाफ नर्स भी मौजूद रहीं।

निवाई के नसिंया मंदिर इकाई में ग्रीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण शिविर का अवलोकन

निवाई. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन महासमिति संभाग एवं महिला इकाई द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण शिविर मे दूसरे दिन महासमिति टोंक निवाई संभाग एवं महिला ईकाई के पदाधिकारियों द्वारा शिविर का अवलोकन किया गया जिसमें संभाग के संरक्षक महावीर प्रसाद पराणा अध्यक्ष हुकमचंद जैन शिविर संयोजक एवं प्रभारी विमल पाटनी जौंला प्रवक्ता राकेश संधी एवं शंभु कठमाणा त्रिलोक रजवास द्वारा सभी कक्षाओं का अवलोकन करवाया गया। शिविर प्रभारी विमल जौंला एवं राकेश संधी ने बताया कि शिविर में संस्कार सरोवर भाग प्रथम, संस्कार सरोवर भाग द्वितीय, संस्कार सरोवर भाग तृतीय, भक्तामर, छहढाला, की धार्मिक शिक्षा समाज की महिलाएं शशी सोगानी प्रियंका पराणा संगीता संधी विजया टोंग्या मीनाक्षी भाणजा रेणु टोंग्या सीमा जैन मंजुला काला अंजना ठोलियां नीतू जैन आशा गिन्दोडी.संजू जैन सपना संधी सहित अनेक महासमिति की पदाधिकारियों द्वारा शिक्षा दी जा रही है। शिविर में 6 स्थानों पर शिक्षिकाओं द्वारा शिविरार्थियों को धार्मिक शिक्षा दी जा रही है। महासमिति महिला ईकाई की प्रकोष्ठ मंत्री संजू जौंला ने बताया कि शिविर के अन्तर्गत समाज के लोगों द्वारा शिविरार्थियों को अल्पाहार कराया गया। उन्होंने बताया कि शहर के 6 स्थानों पर लगाये गए शिविरों में लगभग 200 बालक बालिकाओं को ज्ञान दान का लाभ अर्जित हो रहा है।

जैन संग्रहालय उज्जैन को आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज ससंघ ने निहारा

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

उज्जैन। दिगंबर जैन समाज की 125 वर्ष प्राचीन संस्था दिगंबर जैन मालवा प्रांतिक सभा बड़नगर के द्वारा स्थापित जैन संग्रहालय जयसिंहपुरा उज्जैन में आज श्रमण संस्कृति के महामहिम संत शताब्दी देशनाचार्य पट्टाचार्य परम पूज्य आचार्य 108 श्री विशुद्धसागरजी महाराज ससंघ का संग्रहालय में मंगल प्रवेश हुआ। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि जैन संग्रहालय के ट्रस्टी अमित कासलीवाल ने आचार्य श्री को संग्रहालय के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि जैन रत्न स्व. प्रदीपकुमारसिंह कासलीवाल के विशेष प्रयासों से निर्मित यह जैन संग्रहालय पूरे देश भर में एकमात्र अनूठा संग्रहालय है। यहां देशभर से एकत्रित की हुई करीब 600 प्राचीन कालीन जैन मूर्तियां स्थापित है। आचार्य संसघ ने संग्रहालय को निहारते हुए बहुत प्रसन्नता व्यक्त की और इस संस्था के सभी पदाधिकारियो एवं ट्रस्टियों को आशीर्वाद दिया। आभार अनिल गंगवाल ने माना।

जैन रामायण कथा के लिए उप मुख्यमंत्री प्रेम चन्द बैरवा को दिया आमंत्रण

जयपुर. शाबाश इंडिया। गुलाबी नगरी में पहली बार आयोजित हो रही जैन रामायण कथा के संगीतमय आयोजन में सम्मिलित होने तथा मुनि श्री जयकीर्ति जी महाराज के दर्शन आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए राजस्थान सरकार के उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेम चन्द बैरवा एवं सहकारिता मंत्री श्री गौतम कुमार दक से आयोजन समिति के प्रदीप जैन, विनोद जैन कोटखावदा, मनोज सोगानी पहाड़ी वाले एवं चेतन जैन निमोडिया ने मुलाकात कर आमंत्रित किया। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेम चन्द बैरवा एवं मंत्री गौतम कुमार दक ने आश्वस्त किया कि शीघ्र ही मुनि श्री जयकीर्ति महाराज के दर्शन एवं जैन रामायण कथा के श्रवण के लिए शीघ्र उपस्थित होंगे। इस मौके पर डा बैरवा ने आयोजन के पोस्टर का विमोचन भी किया।

जिन शासन से बड़ी संसार की कोई विभूति नहीं है: मुनि जयकीर्ति

दस दिवसीय जैन रामायण कथा का तीसरा दिन - उमड़े श्रद्धालु-सायंकाल हुई महाआरती एवं भक्ति संध्या में झूमे श्रद्धालु

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान जैन युवा महासभा, जैन कनेक्ट, दुर्गापुरा जैन मंदिर ट्रस्ट एवं महिला मंडल दुर्गापुरा के संयुक्त तत्वावधान में दिगम्बर जैन मुनि जयकीर्ति के मुखारबिंद से गुलाबी नगरी जयपुर की पुण्य धरा पर पहली बार दुर्गापुरा के श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्र प्रभजी में दस दिवसीय जैन रामायण कथा का आयोजन चल रहा है। कथा में तीसरे दिन मुनि जयकीर्ति महाराज ने वनवास में मुनियों पर उपसर्ग, सीता की मुनि भक्ति सहित जटायु का उद्धार प्रसंग पर प्रकाश डाला। इस मौके पर बडी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। दुर्गापुरा दिगम्बर जैन महिला मण्डल की अध्यक्ष रेखा लुहाड़िया एवं महामंत्री रानी सोगानी ने बताया कि रविवार, 18 मई से मंगलवार, 27 मई, 2025 तक प्राचीन जैन ग्रन्थ 'पद्मपुराण' पर आधारित जैन रामायण कथा के भव्य संगीतमय आयोजन मे तीसरे दिन मंगलवार को भगवान चन्द्र प्रभू के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्जवलन समाज श्रेष्ठी विनोद जैन कोटखावदा, वन्दन ग्रुप के रतन संघी, सुधीर जैन, सम्यक जैन प्रमिल गुप्ता एवं अन्य सभी अतिथियों ने किया। ब्रह्मचारिणी पल्लवी दीदी द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया। मुनि श्री जयकीर्ति महाराज के पाद पक्षालन समाज श्रेष्ठी नरेन्द्र - मुन्नी देवी, अतुल-शशि सोगानी, नमन - श्रुतिका सोगानी बापूनगर वालो एवं युवा समाजसेवी विनोद - दीपिका जैन कोटखावदा ने किया। राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष युवा समाजसेवी विनोद जैन कोटखावदा-दीपिका जैन कोटखावदा की 36 वीं वैवाहिक वर्ष गांठ पर समाज की ओर से स्वागत एवं सम्मान किया गया। इससे पूर्व कोटखावदा दम्पति ने मुनि श्री जयकीर्ति महाराज को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर आयोजन समिति की ओर से प्रदीप जैन,चेतन जैन निमोडिया,राहुल गोधा, कमलेश जैन, सुनील संघी, विमल गंगवाल,डॉ मनीष जैन 'मणि' जय कुमार जैन, रितु चांदवाड,रेखा लुहाड़िया, रेखा पाटनी, सीमा सेठी, मोना चांदवाड, प्रेम देवी बाकलीवाल, सुशीला काला, दीपिका गोधा आदि ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया। इस मौके पर अतुल सोगानी, अशोक

पाण्डया, रतन संघी, सुधीर जैन, सिद्धार्थ पाण्डया, प्रदीप जैन, विनोद जैन कोटखावदा, जी सी जैन, मनोज सोगानी, चेतन जैन निमोडिया आदि ने श्रीफल भेट कर मुनि श्री से आशीर्वाद प्राप्त किया। तत्पश्चात कथा के मुख्य श्रोता राजा श्रेणिक के रुप में दुर्गापुरा दिगम्बर जैन मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष समाज श्रेष्ठी प्रकाश चन्द-मनोरमा देवी चांदवाड दौसा वालो का गाजों बाजों के साथ सभागार में जयकारों के बीच आगमन हुआ। राजा श्रेणिक परिवार प्रकाश चन्द - मनोरमा देवी, अनिल - मोना, संदीप - डिम्पल, सुनील - टीना चांदवाड परिवार द्वारा मुनि श्री को जिनवाणी भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। तत्पश्चात राजा श्रेणिक बने प्रकाश चन्द - मनोरमा देवी चांदवाड ने मुनि श्री से प्रश्न किया मुनि श्री द्वारा समाधान के रुप में रविषेणाचार्य द्वारा रचित प्राचीन जैन ग्रन्थ 'पद्मपुराण' में उल्लेखानुसार जैन रामायण कथा का वाचन प्रारम्भ किया। गुरुदेव के मुखारविंद से राम कथा के तीसरे दिन मधुर संगीत और मधुर आवाज ने श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया....कथा के दौरान जैन धर्म की महानता के अद्भुत प्रसंग आये.....कपिल ब्राह्मण की दरिद्रता दूर हुई कपिल ब्राह्मण का मुनिराज से धर्मोपदेश सुनने के बाद पूरा जीवन ही परिवर्तित हो गया और उसने अपनी पत्नी को भी सारे उपदेश सुनाएं और दोनों ने अणुव्रत को अंगीकार किया और फिर प्रभु श्री राम से मिलने के बाद में उनकी दरिद्रता दूर हो गई और फिर बहुत पश्चाताप होने के बाद में उन्होंने ₹अरिहंत नाम के रसायन₹ को प्राप्त करके ₹जिनदीक्षा ₹ लेने का निर्णय किया और अपने जीवन को धन्य करके जिन शासन के पथ पर आरूढ़ हो गए.....और उधर लक्ष्मण का विवाह वरमाला के साथ में हुआ राम और लक्ष्मण का अतिवीर्य राजा के साथ में युद्ध हुआ और अतिवीर्य राजा को जिनमंदिर को देखकर वैराग्य हों गया... राम लक्ष्मण आगे बढ़ते हुए वंशधर पर्वत पहुँच गये बहुत भयानक जंगल था डरावनी आवाजो से सीता भी डर गयी और एक बाण छोड़ा तों सभी अग्निकुमार देव वहां से चले गये और पूरा शांत वातावरण हों गया हुए वही पर बैठे हुए दो मुनिराज ₹ 'देशभूषण और कुलभूषण' का उपसर्ग दूर हुआ मुनीराज की पूजा भक्ति की और उनको केवलज्ञान प्राप्त हो गया फिर मुनिराज ने धर्मोपदेश दिया....आगे बढ़ते हुए दोनों ने भरत के राज्य की सीमा को पार कर दिया और और फिर एक नगर के बाहर उन्हें प्रवेश किया फिर सभी ने आराम किया और फलों का आहार किया फिर सीता के मन में मुनिराज को आहार दान देने की भाव जागृत हुए उसी समय वहां पर दो मासोपवासी चारण ऋद्धिधारी गुप्ती और सुगुप्ति नामक दो मुनिराज आकाश मार्ग से आते हुए दिखे उनका पड़गाहान किया पादक्षालन किया और आहार दान दिया आहार दान के प्रभाव से पंचआश्चर्य हुआ। इस समय एक कुरूप गिद्ध पक्षी ने वहां से जाते हुए मुनिराज के पाद पक्षालन का जल पी लिया और जैसे ही जल पिया उसका शरीर रत्नमय हो गया सुंदर हो गया पँख सोने के हों गये और उसका नाम 'जटायु' रख दिया और जटायु को जातिस्मरण हों जाने से बहुत पश्चाताप हुआ और उसने मुनिराज से पूर्व भव का वृतांत सुना और फिर अणुव्रत धारण कियें........ हमें यह सीख मिलती है कि अपने जीवन में चाहे कितना भी धन ऐश्वर्य वैभव क्यों न हो लेकिन जिन शासन से बड़ी संसार की कोई विभूति नहीं है.... जिन धर्म से बड़ा कोई धर्म नहीं है और हमारे मुनिराज जो प्राणी मात्र का कल्याण करते हैं उनसे दयालु और कोई नहीं प्रभु श्री राम भी आगे बढ़ते बढ़ते अनेक जीवों का कल्याण करते हुए अनेक साधु भगवंत का उपसर्ग दूर करते हुए अतिशय पुण्य कमाते हुए आगे बढ़ रहे हैं। आज की इस धर्म सभा में कई नीतियाँ गुरुदेव ने बतलायी जैसे जो देव शास्त्र गुरु के समक्ष भक्ति से नाचते है उन्हें संसार के सामने नहीं नाचना पड़ता है। धन वही जो धर्म के साथ रहता है धन वह नहीं है जो धर्म को छोड़कर रहता है वह धन मिट्टी के बराबर है जो धर्म से रहित है और धन थोड़ा हो या अधिक हो वह धर्म के साथ है तो सोने से भी कीमती है। गुरु की किसी भी विद्या अथवा कला को सीखने के लिए उस विद्या उस कला में अंदर तक डूबना पड़ता है तल्लीन होना पड़ता है तभी वह विद्या और कला प्राप्त होती है।

“Waves & Wonders @ Aravali”

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ द्वारा आयोजित एक शानदार, ऊर्जावान और अविस्मरणीय पारिवारिक उत्सव

दिनांक: 18 मई 2025 | स्थान: अनंत अरावली रिसॉर्ट

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ ने अपने सदस्यों और उनके परिवारों के लिए 18 मई को “Waves & Wonders @ Aravali” नामक एक भव्य एवं शानदार पारिवारिक कार्यक्रम का आयोजन किया, जो अनंत अरावली रिसॉर्ट की सुंदरता और प्राकृतिक परिवेश में आयोजित हुआ।इस कार्यक्रम में 225+ से अधिक सदस्य व उनके परिवारजन शामिल हुए।पूल पार्टी, DJ डांस, इंटरएक्टिव गेम्स, एंटरटेनमेंट एक्टिविटीज, और लजीज डिनर जैसे विविध आयोजन कार्यक्रम को जीवन्तता से भरते रहे। हर क्षण में खुशी, उत्साह और क्लब के प्रति अपनापन झलकता रहा।रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ के अध्यक्ष अनिल जैन ने कार्यक्रम को सफल बनाने वाले सभी पदाधिकारियों, कोऑर्डिनेटर्स, बैकएंड टीम और सहयोगी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा:> “हमारा क्लब केवल एक संगठन नहीं, एक परिवार है। और Waves & Wonders इसका सबसे सुंदर प्रमाण रहा। कार्यक्रम की हर बारीकी – लोकेशन का चयन, भोजन, संगीत, सजावट, और टीम भावना – सब कुछ क्लब की प्रतिबद्धता और एकता को दर्शाता है। यह सब आप सभी की सामूहिक मेहनत का नतीजा है।”उन्होंने आगे कहा:> “मेरे लिए यह गर्व की बात है कि रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ का हर कार्यक्रम एक से बढ़कर एक हो रहा है — और वह भी सिर्फ मेरे नहीं, बल्कि आप सभी के समर्पण और सहयोग के कारण।”कार्यक्रम में सभी ग्रुप्स की सक्रिय भागीदारी, बच्चों की मासूम मुस्कान, युवाओं की ऊर्जा, और वरिष्ठजनों का आशीर्वाद — सबने मिलकर इस दिन को अविस्मरणीय बना दिया।रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ ने यह एक बार फिर सिद्ध किया कि जब क्लब परिवार एक साथ आता है, तो हर लहर में उमंग होती है और हर क्षण एक वंडर बन जाता है।

मुनि श्री साध्य सागर जी एवं मुनि श्री विश्व सूर्य सागर जी महाराज का होगा चातुर्मास -जैन समाज में हर्ष

सनावद. शाबाश इंडिया

विगत दो माह से नगर में अनेक दिगंबर जैन संतों ने आकर धर्म प्रभावना की है। इसी क्रम में जून माह में पूज्य आचार्य श्री सुंदर सागर जी महाराज ने इंदौर से चलकर नगर में ग्रीष्मकालीन वाचना की स्वीकृति प्रदान की है। आचार्य जी के साथ लगभग 22 पिच्छीधारी साधु, साध्वियाँ भी मई के अंत तक आ जाएंगे। परम पूज्य विशुद्ध सागर जी महाराज द्वारा दीक्षित पूज्य मुनि श्री साध्य सागर जी एवं मुनिश्री विश्व सूर्य सागर जी महाराज ने उज्जैन से चलकर सनावद आकर चातुर्मास करने की स्वीकृति प्रदान की है जिससे सकल जैन समाज में हर्ष व्याप्त है ? पार्श्वज्योति मंच के निर्देशक कमलेश भूच एवं धीरेन्द्र बाकलीवाल ने बताया कि मुनि त्यागी वैयावृत्ति समिति के अध्यक्ष मुकेश जैन, सुधीर चौधरी, पवन गोधा, सुनील के जैन, प्रफुल्ल जैन, अक्षय जैन, निलेश बाकलीवाल, आशीष झांझरी, अखिलेश घाटे, यश गोधा, हीरामणि भूच, मंजुला भूच, चेतना गोधा, रीना जैन के साथ एक प्रतिनिधिमंडल ने उज्जैन जाकर श्रीफल समर्पित कर आचार्य जी से मुनि साध्य सागर जी एवं मुनि श्री विश्व सूर्य सागर जी के चातुर्मास हेतु निवेदन किया था। मंच के अध्यक्ष डॉ नरेन्द्र जैन भारती ने बताया कि जुलाई माह में चातुर्मास प्रारंभ होने के बाद साधु संत चार माह तक एक ही स्थान पर रुक कर धर्म प्रभावना करते हैं। मुनि द्वय के चातुर्मास से नगर के श्रावकजन अनवरत धर्म लाभ लेंगे।

महिला जैन मिलन की मनोरंजक मीटिंग संपन्न

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

महिला जैन मिलन अशोकनगर की मई माह की मनोरंजक मीटिंग जैन भवन में सोमवार को आयोजित हुई जिसका महावीर प्रार्थना के साथ शुभारंभ हुआ फिर मनोरंजन के लिए गेम खिलाए गए। मनोरंजक गेम के बाद सर्जिकल स्ट्राइक में देश की जीत पर तिरंगा रैली को भव्यता प्रदान करने हेतु श्रीमती रश्मि जी रघुवंशी ने सबको संबोधित किया ।उनका सम्मान किया गया। गेम के बाद सभी ने सुस्वादिष्ट स्वल्पाहार किया । मीटिंग में अध्यक्ष वीरां. प्रीति पाली,मंत्री आशी मिर्ची, कोषाध्यक्ष नीतू आलीशान , विनीता सम्यक ज्वेलर्स, अनीता महिदपुर, प्रीति बाबा मेडिकल, हर्षिता जैन, अंजू कांसल ,योगिता जैन, संजू सिंघई, ज्योति बड़कुल, रंजना लाली मेचिंग्स, नीतू कुसुम कंगन, ममता भोपाली शैलजा खेरा मंजू टडैया मोना संध्या दीप्ति टडैया ओशी दीप्ति कनेरा सहित अन्य वीरांगनाएं बहनें उपस्थित रही।

अतिशय क्षेत्र नवागढ़ में हुई धर्म एवं विज्ञान के समन्वय की कार्यशाला

रत्नेश जैन रागी बकस्वाहा. शाबाश इंडिया

नवागढ़। प्रागैतिहासिक अतिशय क्षेत्र नवागढ़ में श्री नवागढ़ गुरुकुलम में अध्ययनरत छात्रों को धर्म एवं विज्ञान विषय कार्यशाला का आयोजन ब्रह्मचारी जयकुमार निशांत के निर्देशन में श्री अमित चौधरी श्रीमती सपना चौधरी चिरंजीव आमर्ष एवं अर्हम जय अप्लायंस सागर के द्वारा किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ गुरुकुलम् के छात्रों ने मंगलाचरण एवं स्वागत गीत के माध्यम से किया। वैज्ञानिक प्रयोगशाला के सभी प्रशिक्षकों का सम्मान महामंत्री वीर चंद्र जैन, कोषाध्यक्ष पंडित इंद्र

कुमार , मंत्री अशोक मैनवार उपाध्यक्ष डॉ भरत गुड़ा, शिक्षक संजय सर, विनीत सर ,अजय सर मैनेजर प्रवीण जैन रमेश जैन ने किया। गुरुकुलम संस्थापक ब्रह्मचारी जयकुमार निशांत भैया ने जैन धर्म की वैज्ञानिकता को सत्यापित करने वाली इस अनूठी कार्यशाला जिसमें भौतिक विज्ञान के विशेष प्रयोग, विद्युत चुंबकीय कार्य पद्धति, रसायन शास्त्र, जीव विज्ञान, वनस्पति विज्ञान के साथ विशिष्ट वैज्ञानिकों का परिचय क्विज के माध्यम से दिया गया। जिसे सभी छात्रों को आकर्षित किया। मानव शरीर की संरचना, गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत, प्रकाश की गति, इंद्रधनुष का निर्माण, रासायनिक प्रक्रिया द्वारा शारीरिक परिवर्तन, पर्यावरण, विभिन्न भौतिक सिद्धांत को स्वयं बच्चों ने स्वयं करके देखा जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। माइक्रोस्कोप द्वारा सूक्ष्म जीवों की उत्पत्ति, शरीर एवं पर्यावरण को हानिकारक कारक, भक्ष्य अभक्ष्य पदार्थों की पहचान, मोबाइल से हानियां, फास्ट फूड के केमिकल से शारीरिक हानि, गैसों का रासायनिक प्रक्रिया द्वारा निर्माण, सभी प्रयोग उनके लिए अभूतपूर्व रहे। इस आयोजन को आचार्य गुरुदेव संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के द्वारा संकल्पित ब्रह्मचारिणी नेहा दीदी, प्रिया दीदी प्रतिभास्थली जबलपुर से अतिशयकारी अरनाथ स्वामी के दर्शन एवं ऐतिहासिक साक्ष्यों का अवलोकन करके कार्यशाला द्वारा बच्चों को धर्म के प्रति प्रगाढ़ श्रद्धा कराने वाले आयोजन को सफल बताया। अपने छात्रों को सन्मार्ग पर चलकर अपने परिवार, समाज एवं जिन शासन की प्रभावना हेतु प्रेरित किया। देश के ख्याति प्राप्त गीतकार रूपेश जी एवं एबीएस कंप्यूटर के माध्यम से नवागढ़ के सहयोगी दीपक जैन ने इस कार्यशाला को अत्यंत उपयोगी बताया। रूपेश जी नवागढ़ से कई वर्षों से जुड़े हैं, आपके गीत आज भी नवागढ़ के अतिशय से लोगों को आकर्षित करते हैं ।आपके गीत को छात्रों ने गाकर आपको बहुमान किया । भगवान अरनाथ स्वामी के चरणों में अपने निम्न पंक्तियां समर्पित की। अतिशयकारी अरह नाथ का जग प्रसिद्ध दरबार लेने वाले आते लाखों एक यहां दातार नवागढ़ तीर्थ हमारा हमें प्राणों से प्यारा अंत में पंडित इंद्र कुमार जी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए प्रतिष्ठा पितामह पंडित गुलाबचंद जी पुष्प का स्मरण करते हुए निशांत भैया के योगदान तथा चौधरी परिवार के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए सभी को धन्यवाद दिया।

वरिष्ठ पत्रकार राजेश रागी रत्नेश जैन बकस्वाहा

जेएसजी स्वस्तिक ग्रुप की जिनालय यात्रा 2025-26 का प्रथम चरण श्रद्धा, उत्साह और भक्ति भाव से सम्पन्न

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जेएसजी स्वस्तिक ग्रुप की ''जिनालय यात्रा 2025-26'' का प्रथम चरण धार्मिक श्रद्धा, गहन उत्साह और सामूहिक भक्ति भाव के साथ अत्यंत सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। यह यात्रा न केवल आध्यात्मिक दृष्टिकोण से फलदायी रही, बल्कि ग्रुप के आपसी समर्पण और सहयोग की अनुपम मिसाल भी बनी। यात्रा का शुभारंभ फतेहसागर से हुआ, जहाँ समस्त सदस्य संयोजक राजेंद्र हिंगड़ के मार्गदर्शन में एकत्रित हुए। प्रारंभिक मिलन के पश्चात सभी श्रद्धालु मोती मगरी जैन मंदिर पहुँचे। वहाँ शांतिपूर्ण वातावरण में पूजा-अर्चना के साथ-साथ सामूहिक भजनों की प्रस्तुति ने सभी को आत्मिक आनंद से भर दिया। इसके बाद समूह ने चौगान जैन मंदिर की ओर प्रस्थान किया। यहाँ सभी ने 24 तीर्थंकरों के दर्शन कर गहन भक्ति भाव से भजनों का गायन किया। भक्ति के इस पावन क्षण में नवकारसी का लाभ लेकर सभी श्रद्धालुओं ने आत्मिक शांति का अनुभव किया। इस भक्ति यात्रा को और भी खास बना दिया श्रीमती भावना के जन्मदिन ने। इस शुभ अवसर पर सभी सदस्यों ने उन्हें बधाइयाँ दीं, केक काटा गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएँ दी गईं। इस आयोजन में ग्रुप के विमल कटारिया, राजेंद्र हिंगड़, सुनील गांग, पंकज जैन, वीरेंद्र कावड़िया, संजय धाकड़, गौरव सुराणा, अंकुर लोढ़ा, कुशल लोढ़ा, प्रभात भंडारी, कमल कंठालिया एवं अन्य सदस्यों की उपस्थिति रही। गौरतलब है कि सभी सदस्य अपनी धर्मपत्नी एवं परिवार के साथ उपस्थित थे, जिससे आयोजन को आत्मीयता और पारिवारिक भावनाओं की सुदृढ़ता प्राप्त हुई। ग्रुप अध्यक्ष श्री विमल कटारिया ने सभी सदस्यों का आत्मीय स्वागत करते हुए कार्यक्रम की सफलता हेतु सभी का आभार प्रकट किया। उन्होंने भविष्य की धार्मिक यात्राओं के लिए भी प्रेरणाप्रद विचार साझा किए। संजय धाकड़ ने बताया की कार्यक्रम के अंत में आने वाले समय में और अधिक व्यापक धार्मिक यात्राओं व आयोजनों को लेकर सुझाव साझा किए गए और योजना पर चर्चा हुई।

श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविरों में भारी उत्साह

जीव, पुद्गल, धर्म, अधर्म, आकाश और काल इन छः द्रव्यों का ज्ञान सिखाता-ग्रंथ द्रव्य संग्रह

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के अंतर्गत आयोजित श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर में छ विषयों का 51 मंदिरों में छात्रों द्वारा अध्ययन किया जा रहा है। संस्थान के कार्याध्यक्ष प्रमोद पहाड़िया व मानद मंत्री सुरेश कासलीवाल के अनुसार शिविर केंद्र में चल रहा द्रव्य संग्रह ग्रंथ द्रव्यसङ्ग्रह (द्रव्यों का संग्रह) ९-१० वीं सदी में लिखा गया एक जैन ग्रन्थ है। यह सौरसेणी प्राकृत में आचार्य नेमिचंद्र द्वारा लिखा गया था। द्रव्यसंग्रह में कुल ५८ गाथाएं है। इनमें छः द्रव्यों का वर्णन है: जीव, पुद्गल, धर्म द्रव्य, अधर्म द्रव्य, आकाश और काल द्रव्य। प्रचार प्रसार प्रभारी पदम जैन बिलाला के अनुसार शिविर प्राकृत प्रार्थना व दीप प्रज्वलन के साथ शुरू होते है । शिविर में नित्य बाल संस्कार , सिद्धांत प्रवेशिका , इष्टोपदेश , द्रव्य संग्रह , तत्वार्थ सूत्र व छहढाला की कक्षायें नियमित चल रही है । 23 दिन वाला से अनिता , विवेक विहार से अलका , निर्माण नगर से सुनीता , दुगार्पुरा से चंदा सेठी , चित्रकूट से अंजना जैन , मालवीय नगर से सुमन , सांगानेर से पल्लवी , १० बी से निर्मला , वैशाली से संगीता , मधुबन से मंजू , हीरा नगर से तारा ,थड़ी मार्केट से नीता , सिद्धार्थ नगर से प्रीति , जौहरी बाजार से दीपिका आदि से शिविर के उत्साहवर्धक समाचार नित्य संस्थान को प्राप्त हो रहे है । इधर जनकपुरी,एसएफएस , मानसरोवर , राधा निकुंज , आनंद गार्डन , वाटिका रोड , महेश नगर , शक्ति नगर सहित सभी मंदिरों में भी शिविरार्थियों में उत्साह नजर आ रहा है। डॉ. वंदना जैन , शालिनी बाकलीवाल व विनीता जैन बोहरा ने बताया की आठ वर्ष से बड़े बालको को एक दिन अभिषेक , शांतिधारा पूजन आदि करना सिखाया जायेगा जिसमे बालिकाओं को भी दर्शन पूजन आदि क्रियाएं सिखायी जाएगी। विदुषियाँ छोटे बच्चों को कविता , रिद्म , लघु नाटिका आदि के माध्यम से संस्कार सिखा रही है।

संगिनी फॉरएवर के कार्यकारिणी सदस्य

श्रीमती अंजना शास्त्री व श्री धन कुमार जी शास्त्री

को शादी की सालगिरह की बहुत-बहुत बधाई हो

शुभेच्छु

अध्यक्ष शकुंतला विनायका
सचिव सुनीता गंगवाल
कोषाध्यक्ष उर्मिला जैन
एवं समस्त संगिनी फॉरएवर परिवार